परिचय-पुस्तिका

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व विभाग

छतर मंजिल परिसर, कैसरबाग, लखनऊ - 226001

1. पृष्ठभूमि

उत्तर प्रदेश भारत के उत्तर में स्थित है। यह राज्य उत्तर में नेपाल व उत्तराखण्ड, दक्षिण में मध्य प्रदेश, पश्चिम में हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान तथा पूर्व में बिहार तथा दक्षिण–पूर्व में झारखण्ड व छत्तीसगढ़ से घिरा हुआ है। उत्तर प्रदेश हिन्दू धर्म का प्रमुख स्थल रहा है। प्रयाग के कुम्भ का महत्व पुराणों में वर्णित है। गंगा–यमुना के हरियाली मैदान वाले उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरें निराली हैं। प्रस्तर युग से आज तक यहाँ मानव–सभ्यताओं का अनवरत प्रवाह चला आ रहा है। इस प्रदेश के काशी–कैलाश के महादेव शिव, सरयू तीरे बसी अयोध्या के मर्यादा पुरुषोत्तम राम, कालिन्दी कूल के कन्हइया और कपिलवस्तु के सिद्धार्थ गौतम देश–देशान्तरों तक पूजे जाते हैं। मालिनी तट पर पले–बढ़े दुष्यन्त पुत्र भरत ने इस देश को 'भारत' नाम दिया। बुद्ध का 'धर्मचक्र' तिरंगे पर लहराया और सारनाथ की लाट केन्द्र सरकार का चिन्ह है।

क्रमशः पत्थर, ताँबे और लोहे के उपकरण बनाने वाली संस्कृतियों के अवशेष, तद्नन्तर बौद्ध स्तूप, मौर्य, शुंग और कुषाणकालीन कलाकृतियों, गुप्त–प्रतिहार और चन्देल कालीन प्रस्तर व इष्टिका देवालय, जौनपुर की शर्की, आगरा व फतेहपुर सीकरी की मुगलिया, अवध की नवाबी और तमाम यूरोपियन इमारतें इस प्रदेश की अनमोल विरासतें हैं। बनारस के घाट, देवगढ़ के मन्दिर, आगरा के किले–ताजमहल–सिकन्दरा–बुलन्द दरवाजा, लखनऊ के भूल–भुलइया और रूमीगेट आदि के दर्शन पाने हर बरस देश–विदेश से हजारों लोग यहाँ आते रहतें हैं। इनके अलावा यहाँ जगह–जगह प्राचीन सिक्के, अभिलेख, मुद्रा–छाप, पत्थर और मिट्टी की प्रतिमाएं, मनके, चकरी आदि पुरासामग्रियाँ प्रभूत मात्रा में मिलती हैं, जो हमारे इतिहास के अनमोल साक्ष्य हैं।

भारत में उपर्युक्त ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का अवगाहन 1784 में विलियम जोन्स द्वारा ''एशियाटिक रिसर्चेज'' की स्थापना के साथ प्रारम्भ हुआ। पाश्चात्य विद्वानों ने भारतीय अध्येताओं की सहायता से यह काम बड़े चाव, जतन और लगन से चलाया। 1861 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की स्थापना के बाद इस दिशा में और अधिक नियोजित अभियान चलाये गये। राज्य स्तर पर 1890 में मैसूर ने पुरातत्व विभाग की स्थापना करके पहल की है। 1908 में त्रावणकोर, 1912 में कश्मीर, 1913 में ग्वालियर और 1914 में हैदराबाद और कालान्तर में और सूबों ने भी उनका अनुसरण किया।

2. स्थापना और विकास

1947 में आजादी प्राप्त होने के उपरान्त उत्तर प्रदेश के तत्कालीन शिक्षा मंत्री डॉ. सम्पूर्णानन्द की अध्यक्षता में गठित समिति की संस्तुति पर 1951 में प्रदेश में पुरातात्त्विक सर्वेक्षण, पुरास्थलों, स्मारकों के संरक्षण, प्रकाशन और इस सन्दर्भ में जन–चेतना जगाने हेतु पुरातत्त्व विभाग की स्थापना की गयी। डॉ. कृष्ण दत्त बाजपेई इस विभाग के ''पुरातत्त्व अधिकारी'' के पद पर आसीन हुए। विभाग का कार्यालय आर्य नगर की एक

इमारत में प्रारम्भ हुआ। लगभग 18 माह की अपनी अत्यल्प कार्यावधि में उन्होंने 51 लेख प्रकाशित कराये, 4 पुस्तिकाएं लिखीं, अनेक व्याख्यान दिये और स्मारकों/स्थलों के संरक्षण के भी प्रयास किये, लेकिन 1953 तक यह विभाग समाप्त करके तद्सम्बन्धी कार्य राज्य संग्रहालय को सौंप दिये गये। 1958–59 में पुरातत्त्व विभाग पुनः स्वतंत्र रूप से स्थापित हुआ, लेकिन 1962 तक इसके कार्य पुरातत्त्व अभियन्ता और उसके बाद 1965 में पुरातत्त्व सहायक द्वारा संचालित होते रहे। तद्नन्तर 1965 में पुरातत्त्व अधिकारी की नियुक्ति के साथ विभाग ने अधिक सुनिश्चितता के साथ कार्य प्रारम्भ किया। 1974 में पुरातत्त्व अधिकारी के पद को 'निदेशक' के पद में परिवर्तित कर दिया गया। विभाग का कार्यालय 1981–82 तक लखनऊ संग्रहालय एवं जवाहर भवन के नवम् तल से चलता रहा और फिर कैसरबाग स्थित रोशनुद्दौला कोठी में स्थानान्तरित हो गया। इसके पूर्व सांस्कृतिक कार्य विभाग के अन्तर्गत होने के कारण संस्था का नाम बदल कर ''उ.प्र. राज्य पुरातत्त्व संगठन'' रखा गया। 1979–80 में लखनऊ से बाहर कुमाऊँ और गढ़वाल क्षेत्रों के लिये पहली क्षेत्रीय इकाई गठित हुई, जिसका कार्यालय प्रथमतः श्रीनगर (गढ़वाल) और कालान्तर में अल्मोड़ा स्थानान्तरित हो गया। नवें दशक में पौड़ी (गढ़वाल) और झाँसी तथा इसके उपरान्त आगरा, गोरखपुर, वाराणसी और इलाहाबाद में भी क्षेत्रीय इकाइयाँ स्थापित की गयी है।

राज्य में पुरातत्त्व सम्बन्धी गतिविधियों को और अधिक गति प्रदान करने हेतु उत्तर प्रदेश शासन, संस्कृति अनुभाग की अधिसूचना सं. 2558/चार–96–6(2)/96, दिनांक : 27 अगस्त, 1996 द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व संगठन का नाम ''उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व विभाग'' तथा निदेशक, राज्य पुरातत्त्व संगठन को स्वतंत्र रूप में विभागाध्यक्ष घोषित कर दिया गया है। 9 नवम्बर, 2000 को उत्तराखंड राज्य बन जाने के फलस्वरूप क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाईं, अल्मोड़ा तथा पौड़ी गढ़वाल विभाग से अलग होकर उत्तराखंड राज्य में सम्मिलित हो गयीं। जुलाई, 2015 से पुरातत्व निदेशालय का कार्यालय छतरमंजिल परिसर में स्थित भवन में स्थानान्तरित हो गया है।

3. उद्देश्य

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व विभाग के प्रमुख उद्देश्य निम्नवत् हैं–

1. प्रदेश की पुरासम्पदा का सर्वेक्षण,
2. प्रदेश के पुरास्थलों का उत्खनन,
3. प्रदेश की पुरासम्पदा का संरक्षण/अनुरक्षण,
4. पुरातत्त्व विषयक प्रकाशन,
5. पुरातत्त्व और पुरास्थलों में लोकरुचि जगाना।
6. प्रमुख गतिविधियाँ

(1) सर्वेक्षण

इतिहास के जिन पक्षों की जानकारी लिखित स्त्रोतों से

नहीं मिलती है, उनके लिये पुरातात्त्विक स्रोतों की सहायता ली जाती है। तद्न्तर्गत प्राचीन टीले, मूर्तियाँ, सिक्के, अभिलेख, पात्रावशेष, किले, मन्दिर और मकबरे आदि पुरावशेष आते हैं। इसलिए इनकी समुचित जानकारी और संरक्षण अत्यन्त आवश्यक है। उत्तर प्रदेश में प्रस्तर युग से ही निरन्तर मानव सभ्यताएं पुष्पित–पल्लवित होती रही हैं, इसलिये उनसे सम्बन्धित अवशेष– पूरे प्रदेश में जगह–जगह बिखरे मिलते हैं। इतिहास लेखन में इनके उपयोग हेतु पहली जरूरत इनकी खोज और अभिलेखीकरण की होती है। इसलिए उ.प्र. राज्य पुरातत्त्व विभाग का पहला दायित्व प्रदेश के पुरावशेषों का सर्वेक्षण कराना है।

पुरातात्त्विक सर्वेक्षण मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं :–

1. सामान्य सर्वेक्षण– किसी स्थल विशेष की सूचना मिलने पर स्थानीय निरीक्षण।

2. ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण–एक क्षेत्र के सभी प्रकार के पुरावशेषों का व्यापक सर्वेक्षण।

3. समस्या प्रधान सर्वेक्षण–इतिहास/पुरातत्त्व की किसी समस्या के समाधान हेतु साक्ष्यों का अन्वेषण।

सामान्य सर्वेक्षणों को छोड़कर अन्य दो प्रकार के सर्वेक्षणों के लिए सुनियोजित योजना आवश्यक है। अतः नियोजन और सामंजस्य के लिए विश्वविद्यालयों और प्रदेश व केन्द्र सरकार के पुरातत्त्व विभागों से प्राप्त सर्वेक्षण प्रस्तावों पर विचारोपरान्त भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा अनुमोदन प्रदान किया जाता है।

देवगढ़ बौद्ध गुफा में सवेक्षण से प्राप्त रॉक कट प्रतिमाएं

समस्या प्रधान सर्वेक्षण आवश्यकतानुसार किसी प्राचीन नगर की पहचान, किसी विशिष्ट संस्कृति के अध्ययन आदि उद्देश्यों से किसी भी क्षेत्र में सम्पादित कराये जाते हैं। सन् 1965 के पहले पुरातत्त्व संगठन द्वारा सामान्य प्रकार के सर्वेक्षण ही कराये जाते रहे। तद्नन्तर अब तक वर्षवार कराये गये ग्राम स्तरीय/समस्या प्रधान सर्वेक्षण अभियानों की सूची संलग्नक–1 के पृष्ठ 11–20 पर अवलोकनीय हैं।

(2) उत्खनन

पुरातत्त्व विभाग का दूसरा प्रमुख दायित्व इतिहास लेखन में किसी विशिष्ट समस्या के समाधान हेतु वैज्ञानिक दृष्टि से पूर्ण संदर्भ सहित प्रामाणिक साक्ष्य जुटाने में योगदान करने के लिये पुरातात्त्विक उत्खनन कराने का है। भारत सरकार के '' प्राचीन

संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम 1958'' की धारा 21,22 के प्राविधानों के अनुरूप उत्खनन के प्रस्तावों पर केन्द्र सरकार का अनुमोदन अनिवार्य है। 'सेण्ट्रल ऐडवाइजरी बोर्ड ऑफ आर्कियोलॉजी' की संस्तुति पर केन्द्र सरकार के भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा यह प्रस्ताव अनुमोदित किये जाते हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व विभाग द्वारा अब तक प्रदेश में निम्नलिखित पुरास्थलों का उत्खनन कराया गया है।

1. सीतापुर जिले की सिधौली तहसील में स्थित मनवाडीह के टीले का उत्खनन/अन्वेषण का कार्य 1968–70 के मध्य कराया गया। तद्न्तर्गत सातवीं शती ई0पू0 से दसवीं शती ई0 तक के पुरावशेष प्राप्त हुये हैं।
2. प्रतापगढ़ जिले के सरायनहर राय में 1971–72 में कराये गये उत्खनन में मध्य प्रस्तर युगीन अवशेष प्राप्त हुये हैं। कालान्तर में इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा कराये गये अग्रेतर उत्खनन में यहाँ से 'होमो सेपियन' (आधुनिक मानव) के अस्थि पंजर मिले हैं।
3. कानपुर में गंगा के तट पर स्थित जाजमऊ के टीले से 1973–77 के मध्य उत्खनन से लगभग 2700 वर्ष पुराने अवशेष प्रकाश में आये हैं। पुनः वर्ष 2007–08 में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुरोध पर उत्खनन में पांच कालो के सांस्कृतिक जमाव प्राप्त हुये हैं। सबसे नीचे के जमावों की पहचान ब्लैक स्लिप्ड वेयर, ब्लैक एण्ड रेड

जाजमऊ उत्खनन स्थल से प्राप्त महत्वपूर्ण पुरावशेष

वेयर एवं ग्रे वेयर से की जाती है। इस काल में पोस्ट होल्स के भी साक्ष्य मिलते हैं। इसके बाद के कालों में एन.बी.पी. वेयर एवं रेड वेयर, ब्लैक एण्ड रेड वेयर प्राप्त होते हैं। इसी काल से एन.बी.पी. के पात्र में रखे हुये चांदी के पंचमार्क सिक्के 'आहत सिक्के' भी प्राप्त हुये। तीसरे काल से सुरक्षा दिवार का मिलना उल्लेखनीय है। मध्यकालीन जमावों से लखौरी ईटों से निर्मित आवासीय संरचनाये भी प्राप्त हुईं हैं। इसके अतिरिक्त गुप्तकालीन सील भी प्राप्त हुयी है, जिस पर '' या धम्म हेतु प्रभवा'' लेख अंकित है।

पुनः 2009–10 में जाजमऊ उत्खनन के दौरान यहाँ

से प्राप्त ताबें की प्लेट, मिट्टी के डैबर (थपुआ) पर ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण ''उपानकगो ?'' एवं सोप स्टोन का बना हुआ छोटा सा सिंह–शीर्ष विशेष उल्लेखनीय है।

जाजमऊ टीले की उत्खनन कार्य की समाप्ति के उपरान्त प्राप्त वास्तु अवशेषों के अभिलेखीकरण का कार्य कराया गया।

4. लखनऊ जिले के मोहनलालगंज के निकट स्थित हुलासखेड़ा टीले का उत्खनन 1979 से 1986 तक कराया गया। यहां से लगभग 1000 ई0पू0 से 1500 ई0 तक के पुरावशेष प्रकाश में आये हैं। यहां से लगभग प्रथम शती ई0 का कार्तिकेय के रूपाकंन से युक्त एक स्वर्ण फलक प्राप्त हुआ है।

हुलासखेड़ा उत्खनन स्थल से प्राप्त महत्वपूर्ण पुरावशेष

5. सुल्तानपुर जिले में धम्मौर के निकट स्थित शनिचरा के छोटे टीले के मलबे की सफाई से 9वीं–10वीं शती ई0 के इष्टिका मंदिर की वास्तु योजना प्रकाश में आयी है।

6. कानपुर देहात (रमाबाई नगर) और हमीरपुर की सीमा पर यमुना नदी के तट पर मूसानगर स्थित टीले का उत्खनन सत्र 1994–95 में विन्ध्य–यमुना घाटी की सीमा पर नवाश्म/ताम्राश्म युगीन सभ्यता के अध्ययन के उद्देश्य से कराया गया था।

7. सोनभद्र जिले के नगवा विकासखण्ड में कर्मनाशा नदी के बायें तट पर स्थित राजा नल के टीले का उत्खनन 1995–96–97 में कराया गया। जहां से लगभग 2000 से 3800 वर्ष प्राचीन अवशेष प्रकाश में आये हैं, जिसमे से लगभग 3200 वर्ष प्राचीन लौह अवशेष विशेष उल्लेखनीय है।

8. सोनभद्र जिले में बेलन नदी के तट पर स्थित नई डीह के प्राचीन टीले के उत्खनन से 1997–98 में लगभग 1000 ई0पू0 से मध्यकाल तक के सांस्कृतिक अवशेष प्रकाश में आये हैं।

9. सोनभद्र जिले में ही बेलन नदी की एक छोटी सहायिका के बायें तट पर स्थित भगवास के प्राचीन टीले का ''**साइन्टिफिक स्कैपिंग**'' का कार्य भी सत्र 1997–98 में कराया गया।

10. चन्दौली जिले में कर्मनाशा नदी के तट पर स्थित मलहर

मलहर उत्खनन स्थल से प्राप्त महत्वपूर्ण पुरावशेष

ग्राम के प्राचीन टीले का उत्खनन 1998–99 में कराया गया। इस स्थल से लगभग 1600 ई0पू0 की लोहा गलाने वाली भट्टियों का पाया जाना विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

11. लखनऊ जनपद में दादूपुर ग्राम स्थित प्राचीन टीले का उत्खनन 1999–2000 में कराया गया। रेडियो कार्बन तिथि के आधार पर इस स्थल को 3700 वर्ष प्राचीन माना गया है।

12. सन्तकबीर नगर जिले के अन्तर्गत गोरखपुर–बस्ती मोटरमार्ग पर स्थित भुजैनी नामक स्थान से 5 कि0मी0 की दूरी पर लहुरादेवा गांव के पश्चिम में स्थित प्राचीन टीले पर 2001–2002 से उत्खनन कार्य प्रारम्भ कराया गया जो 2005–06 तक जारी रहा। उत्खनन से एकत्र किये गये कोयले के नमूनों के आधार पर स्थल की प्राचीनता लगभग सात हजार ई0पू0 तक जाती है।

13. काल्पी (जिला जालौन) में यमुना नदी के किनारे लगभग 20 मी0 ऊंचे कगार का उत्खनन कार्य कराया गया।

14. वर्ष 2004–05 में लखनऊ–गोरखपुर–सोनौली राजमार्ग पर जनपद महाराजगंज में श्रीनगर झील के किनारे लगभग 4 कि0मी0 वर्ग क्षेत्र में बसे राजधानी गांव के प्राचीन टीले पर उत्खनन कार्य कराया गया।

15. औरैय्या जिले की विधूना तहसील में स्थित पुर्वा–उदयी नामक पुरास्थल का उत्खनन कार्य वर्ष 2008–09 में कराया गया। पुर्वा–उदयी ग्राम के उत्तरी–पूर्वी किनारे पर एक **'रेनगली'** से मिले ताम्र–निधियों के आधार पर उनके सांस्कृतिक काल–क्रम के निर्धारण हेतु उत्खनन कार्य सम्पादित कराया गया। उत्खनन से लाल रंग के पात्र प्रकाश में आये हैं, जो ताम्रनिधियों के समकालीन नही हैं।

16. महोबा जनपद में स्थित महेवा के प्राचीन टीले का उत्खनन कार्य कराया गया । टीले से प्रथम काल के अन्तर्गत लोहे की भट्ठियों के अवशेष एवं द्वितीय काल से कृष्ण लेपित एवं लाल मृदभाण्ड प्रमुख रूप से प्राप्त हुये हैं।

17. उन्नाव जनपद में स्थित सोनिक पुरास्थल का उत्खनन

लहुरादेवा उत्खनन स्थल से प्राप्त महत्वपूर्ण पुरावशेष

सोनिक उत्खनन स्थल से प्राप्त महत्वपूर्ण पुरावशेष

2010–11 में कराया गया। उत्खनन में आवासीय साक्ष्य के रूप में **'पोस्ट–होल्स'** के प्रमाण मिलते हैं। साथ ही छप्पर एवं **स्कीन वाल** को मिट्टी से लीपे जाने के प्रमाण **'टेराकोटा लम्प्स'** के रूप में मिले हैं।

3. ताम्रनिधियों की प्राप्ति

ग्राम पुरवा–उदई जिला– औरैय्या से 2007 में विभाग को अत्यन्त महत्वपूर्ण ताम्रनिधियों की प्राप्ति हुई, जिनमें हार्पून, मानवाकृति, चपटी कुल्हाड़िया, छेनी तथा कड़े प्रमुख हैं।

4. अनुरक्षण/संरक्षण

सर्वेक्षण से प्रकाश में आये 143 स्मारक/स्थल उत्तर प्रदेश प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्मारकों एवं पुरातात्त्विक स्थल व पुरावशेषों के संरक्षण अधिनियित 1956 के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संरक्षित घोषित किये गये हैं। इनकी सूची संलग्नक– 2 (पृष्ठ 21–30) पर अवलोकनीय है।

इनके रखरखाव एवं अनुरक्षण का कार्य पुरातत्त्व विभाग द्वारा कराया जाता है। कई स्मारकों के अनुरक्षण का कार्य पूरा कर लिया गया है। स्मारकों का कार्य चरणबद्ध रूप से कराया जा रहा है। तद्न्तर्गत स्मारकों का अनुरक्षण उनके मूल स्वरूप

बालाबेहट किले का अनुरक्षण कार्य, पूर्व एवं पश्चात्

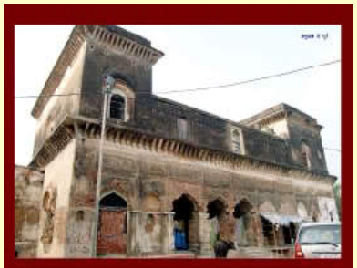

टिकैतराय की बारादरी का अनुरक्षण कार्य, पूर्व एवं पश्चात्

से सामंजस्य बनाये रखते हुये कराया गया है। उदाहरण के लिये अनुरक्षण के पूर्व और बाद के चित्र अवलोकनीय हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न स्मारकों/स्थलों पर सूचना–पट्टों की मरम्मत तथा स्थापन का कार्य कराया गया।

5. प्रकाशन

पुरातत्त्व विभाग द्वारा सम्पादित सर्वेक्षण/उत्खनन कार्यों की उपलब्धियों का विवरण विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में शाध–निबन्धों और रिपोर्टों के रूप में प्रकाशित कराया जाता रहा है। अब तक ऐसे शताधिक लेख और रिपोर्टों का प्रकाशन कराया जा चुका है। पुरातत्त्व विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की एक वार्षिक शाध–पत्रिका ''प्राग्धारा'' का प्रकाशन भी कराया जाता है। संभवतः राज्य स्तर का देश में यह अकेला प्रकाशन है, जिसमें न केवल उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू एवं कश्मीर, बिहार अपितु मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक आदि अन्य राज्यों के विश्वविद्यालयों के पुरातत्त्व विभागों, भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण और बीरबल साहनी पुरावनस्पति संस्थान जैसी अनेक संस्थाओं द्वारा कराये जा रहे पुरातत्त्व सम्बन्धी अन्वेषणों पर आधारित स्तरीय शोध–पत्र भी प्रकाशित हो रहे हैं। अब तक वार्षिक शोध–पत्रिका ''प्राग्धारा'' के 25 अंक मुद्रित किये जा चुके हैं।

6. अन्य

1. शैक्षिक गतिविधियाँ

उ.प्र. राज्य पुरातत्त्व विभाग द्वारा कराये जा रहे सर्वेक्षण, उत्खनन एवं स्मारको के अनुरक्षण सम्बन्धी कार्यों के विषय में लोगों को जागृत करने तथा जन–समस्या को प्राचीन धरोहरों के महत्व से परिचित कराने हेतु समय–समय पर शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित कराये जाते हैं।

(क) प्रतिवर्ष पुरातत्त्व विभाग एवं इसकी अधीनस्थ क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाइयों द्वारा राज्य संरक्षित स्मारकों पर 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस एवं 19 नवम्बर से 25 नवम्बर तक विश्व धरोहर सप्ताह का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर ऐतिहासिक स्मारकों/स्थलों के छायाचित्रों की प्रदर्शनी, स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, लेख प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन कराया जाता है।

विभाग द्वारा आयोजित विविध कार्यक्रमों का दृश्य

(ख) समय–समय पर प्राचीन धरोहरों के प्रति अभिरुचि पैदा करने हेतु कला एवं पुरातत्त्व अभिरुचि पाठ्यक्रम का आयोजन कराया जाता है।

(ग) शैक्षिक व जनजागरूकता कार्यक्रम के अर्न्तगत क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, वाराणसी द्वारा प्रतिवर्ष विविध स्कूल/कालेजों में व्याख्यान का आयोजन कराया जाता है।

(घ) वर्ष 2004 में पुरातत्त्व निदेशालय द्वारा जनपद एवं लोक कला संस्कृति संस्थान के सहयोग से देश की तीन प्रमुख संस्थाओं–भारतीय पुरातत्त्व परिषद, भारतीय प्रागैतिहासिक एवं चतुर्थक अध्ययन परिषद तथा भारतीय इतिहास एवं संस्कृति परिषद का संयुक्त वार्षिक अधिवेशन का आयोजन कराया गया।

कालपदेवी एव आस्तिक बाबा के इष्टिका मंदिर, सीतापुर

(अ) वर्ष 2006 में 'विश्व परिप्रेक्ष्य में प्रारम्भिक कृषक' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कराया गया।

(आ) वर्ष 2010 में 'उत्तर प्रदेश का पुरातत्त्व : नये आयाम विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन कराया गया।

(इ) वर्ष 2014 में राज्य संरक्षित स्मारक छतर मंजिल का संरक्षण एवं सांस्कृतिक व पर्यटन केन्द्र के रूप में पुनरूद्धार विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन कराया गया।

2. संग्रहालयों से आदान–प्रदान

आम लोगों के अवलोकनार्थ संग्रहालयों में प्रदर्शित करने हेतु उ.प्र. राज्य पुरातत्त्व विभाग द्वारा कराये गये उत्खननों से प्राप्त पुरावशेषों को नियमानुसार संग्रहालयों को प्रदान किया गया–

1. लखनऊ जिले के हुलास खेड़ा नामक प्राचीन टीले के उत्खनन से प्राप्त कुषाणकालीन स्वर्ण पत्र पर निर्मित कार्तिकेय की प्रतिमा को उ.प्र. राज्य संग्रहालय, लखनऊ को प्रदान किया गया।

2. सुल्तानपुर जिले के शनिचरा ग्राम में स्थित प्राचीन देवालय के ध्वस्त अवशेषों के उत्खनन से प्राप्त उत्तर मध्यकालीन प्रस्तर अभिलेख एवं मूर्ति को सुल्तानपुर संग्रहालय को प्रदान किया गया।

कर्दमेश्वर मन्दिर, कन्दवा, वाराणसी

गोवर्धन की छतरियां, मथुरा

3. उ.प्र. राज्य पुरातत्त्व विभाग द्वारा प्रदेश में बिखरी पड़ी एवं असुरक्षित पुरा–सम्पदा को सुरक्षित रखने एवं जन–सामान्य के अवलोकनार्थ ग्यारहवें वित्त आयोग द्वारा अनुदानित धनराशि से प्रदेश में (मऊ–कलाँ, हलिया, शिवद्वार, महोबा, ललितपुर) स्थलीय संग्रहालयों की स्थापना की गयी।

4. चुनार (मिर्जापुर) स्थित वारेन हेस्टिग्स के प्राचीन बंगले का पुनरूद्धार किया गया एवं उसे स्थानीय संग्रहालय के रूप में परिवर्तित किया गया।

3. सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा–4 (1) (बी) के अनुसार निम्नलिखित अधिकारियों से पुरातत्त्व सम्बन्धी सूचना प्राप्त की जा सकती है।

1. श्री प्रहलाद कुमार सिंह, निदेशक – अपीलेट अधिकारी
2. उपनिदेशक – जनसूचना अधिकारी
3. डॉ. कृष्ण कुमार सिंह, सहायक पुरातत्त्व अधिकारी – सहायक जन सूचना अधिकारी
4 समस्त क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, वाराणसी, आगरा, झांसी, गोरखपुर एवं इलाहाबाद – जनसूचना अधिकारी

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व विभाग द्वारा सम्पादित सर्वेक्षणों का वर्षवार विवरण

1.	समस्या प्रधान सर्वेक्षण, अल्मोड़ा	1965–66
2.	फतेहपुर एवं कानपुर, समस्या प्रधान सर्वेक्षण	1967–68
3.	सीतापुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1968–69
4.	सीतापुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1969–70
5.	सामान्य सर्वेक्षण, कानपुर–सीतापुर	1970–71
6.	चुनार तहसील, मिर्जापुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1974–75
7.	टिहरी गढ़वाल का समस्या प्रधान सर्वेक्षण	1974–75
8.	चुनार तहसील, मिर्जापुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1975–76
9.	चुनार तहसील, मिर्जापुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1977–78
10.	सीतापुर, बिसवाँ, सिधौली, मिश्रिख का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1977–78
11.	फर्रुखाबाद, कन्नौज का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1978–79
12.	लखनऊ, मोहनलालगंज का सामान्य सर्वेक्षण	1978–79
13.	राजगढ़, विकासखण्ड, मिर्जापुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1978–79
14.	डूब क्षेत्र सर्वेक्षण, भागीरथी–भिलंगना घाटी, टिहरी गढ़वाल/उत्तरकाशी	1978–79
15.	चोपन विकास खण्ड, सोनभद्र का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1979–80
16.	छपका विकास खण्ड, मिर्जापुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1979–80

(संलग्नक – 1)

17.	मोहनलालगंज विकास खण्ड का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1979–80
18.	जागेश्वर क्षेत्र, अल्मोड़ा का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1980–81
19.	धौला देवी, अल्मोड़ा का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1980–81
20.	सामान्य सर्वेक्षण, रूप कुण्ड यात्रा मार्ग (चमोली)	1981–82
21.	पंच केदार यात्रा मार्ग सर्वेक्षण (चमोली)	1982–83
22.	बड़कोट सर्वेक्षण, उत्तरकाशी का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1982–83
23.	नैमिषारण्य क्षेत्र सर्वेक्षण, सीतापुर–हरदोई	1982–83
24.	तहसील चम्पावत, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1983–84
25.	तहसील चम्पावत, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1984–85
26.	कोटद्वार क्षेत्र सर्वेक्षण, पौड़ी का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1984–85
27.	कत्यूर घाटी सर्वेक्षण, अल्मोड़ा	1985–86
28.	विण्ढमगंज, दुद्धी, सोनभद्र का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1985–86
29.	चम्पावत तहसील, देवीधुरा क्षेत्र का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1985–86
30.	मंदाकिनी घाटी सर्वेक्षण, चमोली का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1985–86
31.	दूधा तोली पर्वत क्षेत्र, पौड़ी का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1985–86
32.	मथुरा–वृन्दावन के घाटों का सर्वेक्षण	1985–86
33.	चम्पावत तहसील, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1986–87

34.	गगास घाटी सर्वेक्षण, रानीखेत, अल्मोड़ा	1987–88
35.	चम्पावत तहसील, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1987–88
36.	पिण्डर घाटी, चमोली का ग्राम स्तरीय स्तरीय सर्वेक्षण	1987–88
37.	चम्पावत तहसील, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1988–89
38.	नैनीताल तहसील का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1988–89
39.	पिण्डर घाटी का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1988–89
40.	गगास घाटी, अल्मोड़ा का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1988–89
41.	जखौरा विकास खण्ड, ललितपुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1988–89
42.	चम्पावत तहसील, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1989–90
43.	नैनीताल तहसील का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1989–90
44.	अल्मोड़ा नगर के भवनों की काष्ठ–कला का सर्वेक्षण	1989–90
45.	सोमेश्वर घाटी सर्वेक्षण, अल्मोड़ा	1989–90
46.	देव प्रयाग–पौड़ी यात्रा मार्ग सर्वेक्षण, पौड़ी	1989–90
47.	बार विकास खण्ड, ललितपुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1989–90
48.	घोरावल विकास खण्ड का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1989–90
49.	तहसील चम्पावत, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1990–91
50.	नैनीताल तहसील का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1990–91

51.	देवप्रयाग–पौड़ी यात्रा मार्ग (द्वितीय चरण) का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1990–91
52.	महरौनी ब्लाक, ललितपुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1990–91
53.	घोरवाल विकास खण्ड, सोनभद्र का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1990–91
54.	हलिया विकास खण्ड, मिर्जापुर में ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1990–91
55.	सरोजनी नगर विकास खण्ड, लखनऊ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1990–91
56.	आमी नदी सर्वेक्षण, सिद्धार्थनगर का ग्राम सर्वेक्षण	1990–91
57.	देहरादून तराई का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1990–91
58.	चम्पावत, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1991–92
59.	जागेश्वर से थल यात्रा मार्ग सर्वेक्षण	1992–93
60.	सुयाल घाटी, अल्मोड़ा का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1992–93
61.	तहसील चम्पावत, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1992–93
62.	आमी नदी घाटी सर्वेक्षण, बस्ती, गोरखपुर	1992–93
63.	मूसानगर क्षेत्र ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण, कानपुर देहात (रमाबाई नगर)	1992–93
64.	मलिहाबाद विकास खण्ड, लखनऊ, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1993–94
65.	तहसील पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1993–94
66.	थल से असकोट, यात्रा मार्ग सर्वेक्षण	1993–94
67.	मन्दाकिनी घाटी सर्वेक्षण, चमोली	1993–94

68.	मड़ावरा विकास खण्ड, ललितपुर ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1993–94
69.	गोसाईगंज/चिनहट विकास खण्ड, लखनऊ, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1993–94
70.	लखीमपुर खीरी (खीरी विकास खण्ड), ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1993–94
71.	पिथौरागढ़ तहसील, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1994–95
72.	मन्दाकिनी घाटी (द्वितीय चरण), ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1994–95
73.	मड़ावरा, ललितपुर, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1994–95
74.	नगवाँ/चतरा विकास खण्ड, सोनभद्र, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1994–95
75.	महराजगंज तहसील, रायबरेली का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1995–96
76.	रूद्रपुर तहसील, देवरिया का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1995–96
77.	तालबेहट विकास खण्ड, ललितपुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1995–96
78.	गंगोलीहाट तहसील, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1995–96
79.	अलकनन्दा घाटी (रूद्रप्रयाग से कर्णप्रयाग) ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1995–96
80.	महराजगंज तहसील, रायबरेली का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1996–97
81.	रूद्रपुर तहसील, देवरिया का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1996–97
82.	मिर्जापुर की लालगंज तहसील का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1996–97
83.	अलकनन्दा घाटी (कर्णप्रयाग से नन्द प्रयाग) ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1996–97
84.	डीडीहाट तहसील, पिथौरागढ़ का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1996–97

85.	विरधा विकास खण्ड, ललितपुर, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1996–97
86.	विजयपुर क्षेत्र का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण, मिर्जापुर	1996–97
87.	टोंस घाटी, उत्तरकाशी, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1997–98
88.	डीडीहाट तहसील, पिथौरागढ़, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1997–98
89.	चरखारी विकास खण्ड, महोबा, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1997–98
90.	सलेमपुर क्षेत्र, देवरिया, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1997–98
91.	जैतपुर, कुल पहाड़ विकास खण्ड, महोबा जिले में ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1998–99
92.	छानबे विकास खण्ड, जिला मिर्जापुर, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1998–99
93.	टोंस घाटी, जिला उत्तर काशी, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1998–99
94.	डीडीहाट तहसील, जिला पिथौरागढ़, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1998–99
95.	फरीदपुर तहसील, जिला–बरेली, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1999–2000
96.	कबरई–विकासखण्ड, जनपद–महोबा, ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1999–2000
97.	असोथर विकास खण्ड, जनपद–फतेहपुर ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1999–2000
98.	जनपद–चन्दौली का पुरातात्विक सर्वेक्षण	1999–2000
99.	टोंस घाटी, जिला उत्तरकाशी तथा देहरादून ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	1999–2000
100.	डेकन रूट सर्वेक्षण	1999–2000
101.	गंगाघाटी सर्वेक्षण	1999–2000

102. मझवां विकासखण्ड, जनपद–मिर्जापुर ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2000–2001
103. पनवाड़ी विकासखण्ड जनपद–महोबा ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2000–2001
104. मोहान क्षेत्र, जनपद–उन्नाव का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2000–2001
105. दक्षिणापथ–मार्ग सर्वेक्षण	2000–2001
106. गंगाघाटी सर्वेक्षण	2000–2001–2002
107. मऊरानीपुर विकासखण्ड, जनपद–झांसी ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2001–2002
108. चुनार तहसील, जनपद–मिर्जापुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2001–2002
109. गुरसराँय विकासखण्ड, जनपद–झांसी का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2002–2003
110. बगरा विकासखण्ड, जनपद–झांसी का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2002–2003
111. गुरसराँय विकासखण्ड, जनपद–झांसी का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2003–2004
112. बामौर विकासखण्ड, जनपद–झांसी का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2003–2004
113. जनपद इलाहाबाद से फतेहपुर तक यमुना नदी के किनारे–किनारे ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2003–2004
114. बामौर विकासखण्ड, जनपद–झांसी का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2004–2005
115. जनपद–कौशाम्बी–यमुना नदी के पार्श्ववर्ती क्षेत्र का पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2004–2005
116. कोन एवं पहाड़ी विकासखण्ड, जनपद–मिर्जापुर का ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण	2006–2007
117. बबीना एवं बड़ा गांव विकासखण्ड, जनपद–झांसी का पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2006–2007
118. चिरगांव विकासखण्ड, जनपद–झांसी का पुरातात्विक सर्वेक्षण	2007–2008

119.	जनपद सहारनपुर एवं मुजफ्फरनगर स्थित पुरास्थलों का सर्वेक्षण तथा अभिलेखीकरण	2007–2008
120.	मोठ विकासखण्ड, जनपद–झांसी का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2008–09
121.	बघौली (तिबरा) विकास खण्ड, जनपद–संत कबीर नगर का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2008–09
122.	मऊ विकासखण्ड, जनपद–चित्रकूट का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2008–09
123.	कोंच एवं डकोर विकासखण्ड, जनपद–जालौन का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2009–10
124.	सन्त कबीर नगर जिले के अन्तर्गत ग्राम स्तरीय स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2009–10
125.	मऊ विकासखण्ड, जनपद–चित्रकूट का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2009–10
126.	जनपद सहारनपुर एवं मुजफ्फरनगर स्थित पुरास्थलों का सर्वेक्षण तथा अभिलेखीकरण	2009–10
127.	डकोर एवं नदीगाँव विकासखण्ड, जनपद–जालौन का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2010–11
128.	मऊ विकास खण्ड, जनपद–चित्रकूट का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2010–11
129.	औरास विकासखण्ड, जनपद–उन्नाव का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण (सई नदी)	2011–12
130	जनपद जालौन के माधोगढ विकास खण्ड का ग्रामस्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2011–12
131.	रामनगर एवं रामपुर विकासखण्ड, जनपद–जौन का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण तथा अभिलेखीकरण।	2011–12
132.	मानिकपुर विकासखंड, जनपद–चित्रकूट का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2011–12
133.	सई नदी के किनारे–किनारे सरोजनीनगर, असोहा तथा नवाबगंज विकासखण्ड जनपद–लखनऊ तथा उन्नाव का ग्रामस्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण।	2012–13
134.	जनपद जालौन के रामपुरा विकास खण्ड का ग्रामस्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2012–13

135.	मड़ियाहूँ एवं बरसठी विकासखंड, जनपद–जौन का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण तथा अभिलेखीकरण।	2012–13
136.	कर्बी विकासखंड, जनपद–चित्रकूट का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2012–13
137.	सई नदी के किनारे–किनारे मोहनलालगंज, हिलौली, असोहा तथा बछरावॉ विकासखण्ड जनपद–लखनऊ, उन्नाव एवं रायबरेली का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण।	2013–14
138.	देवगढ़ के जंगल में बौद्ध एवं हिन्दू गुफा मन्दिरों की खोज का कार्य	2013–14
139.	जनपद जालौन के कुठौंद विकास खण्ड का ग्रामस्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2013–14
140.	सिकरारा विकासखंड, जनपद–जौनपुर का पुरातात्त्विक सर्वेक्षण तथा अभिलेखीकरण	2013–14
141.	पहाड़ी विकासखंड, जनपद–चित्रकूट का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2013–14
142.	जनपद रायबरेली, उन्नाव, रायबरेली एवं लखनऊ के विकासखण्ड मोहन लालगंज, हलौली, असोहा एवं बछरावां में सई नदी के दोनों किनारों पर ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण का कार्य।	2014–15
143.	मछलीशहर विकासखंड, जनपद–जौनपुर का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण तथा अभिलेखीकरण।	2014–15
144.	नरैनी विकासखंड, जनपद–बाँदा का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2014–15
145.	सई नदी के किनारे–किनारे बछरावाँ तथा हरचन्दपुर विकासखण्ड, जनपद–रायबरेली का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण।	2015–16
146.	जनपद जालौन के महेवा विकास खण्ड का ग्रामस्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2015–16
147.	जनपद जालौन के कदौरा विकास खण्ड का ग्रामस्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण	2015–16

148. सुजानगंज एवं मुंगराबादशाहपुर विकासखण्ड, जनपद–जौनपुर का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण तथा अभिलेखीकरण। 2015–16

149. महुआ विकासखण्ड, जनपद–बाँदा का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण 2015–16

150. सासनी विकासखंड, जनपद–हाथरस का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण 2015–16

151. सई नदी के किनारे–किनारे राही, डीह, अमाव तथा सलोन विकासखण्ड, जनपद–रायबरेली का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण। 2016–17

152. जनपद जालौन के विकास खण्ड जालौन का ग्रामस्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण 2016–17

153. बदलापुर एवं महाराजगंज विकासखंड, जनपद जौनपुर का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण तथा अभिलेखीकरण। 2016–17

154. बड़ोखर खुर्द विकासखण्ड, जनपद –बाँदा का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण 2016–17

155. सिकन्दराराऊ विकासखंड, जनपद–हाथरस का ग्राम स्तरीय पुरातात्त्विक सर्वेक्षण 2016–17

उत्तर प्रदेश में राज्य द्वारा संरक्षित स्मारकों/स्थलों की सूची

क्र.सं.	स्थल/स्मारक का नाम	ग्राम/तहसील/जिला
1	2	3
	जिला–महामाया नगर	
1.	राजा उदय सिंह की कचेहरी के अवशेष	कस्बा–सासनी, तहसील–हाथरस
2.	सासनी का किला	कस्बा–सासनी, तहसील–हाथरस
	जिला–अलीगढ़	

3.	अलीगढ़ का किला और उससे सम्बद्ध बाउण्ड्री	नगर–अलीगढ़, तहसील–अलीगढ़

(संलग्नक – 2)

जिला–आगरा

4.	बटेश्वर नाथ मन्दिर	ग्राम– बटेश्वर, ब्लाक–बाह, थाना–बाह
5.	मोहारी, मोहारी ग्राम में स्थित प्राचीन टीला	ग्राम–मोहारी, तहसील–किरावली
6.	टीला जैगारा	ग्राम–जैगारा, तहसील–किरावली
7.	तहसील भवन किरावली, जिसे अकबर का शिकारगाह कहते हैं	मो.– बामकला, थाना–किरावली, तहसील–किरावली

जिला–मऊ

8.	भीराडीह	ग्राम–भीरा, तहसील–घोसी

जिला–इलाहाबाद

9.	कोल्डिहवा का प्राचीन स्थल	ग्राम– कोल्डिहवा, तहसील–मेजा
10.	महगरा का प्राचीन स्थल	ग्राम–महगरा, तहसील–मेजा
11.	चोपनी माण्डू का प्राचीन स्थल	ग्राम–चोपनी माण्डू

जिला–उन्नाव

12.	हसनपीर टीला (हनुमान गढ़ी)	सफीपुर, फतेहपुर चौरासी,
13.	संचान कोट का टीला	बांगरमऊ, सफीपुर
14.	उगू का प्राचीन टीला	सफीपुर

जिला–कानपुर नगर

15.	जाजमऊ का प्राचीन टीला	जाजमऊ, कानपुर नगर
16.	टिकैतराय का शिव मन्दिर	बिठूर, कानपुर नगर

17.	राजा टिकैतराय द्वारा निर्मित बारादरी	बिठूर, कानपुर नगर
18.	बाल्मीकि आश्रम	बिठूर, कानपुर नगर
19.	नाना फड़नवीस से सम्बद्ध प्राचीन टीला	बिठूर, कानपुर नगर

जिला–कानपुर देहात (रमाबाई नगर)

20.	पिसनारिन का मठ	कस्बा–घाटमपुर, तहसील–घाटमपुर
21.	यमुना नदी के तट पर स्थित प्राचीन टीला मूसानगर	भोगिनीपुर
22.	जहाँगीराबाद का टीला	जहाँगीराबाद, घाटमपुर
23.	शुक्ला तालाब	तहसील मुख्यालय अकबरपुर में स्थित

जिला–गोण्डा

24.	रुपईडीह	ग्राम–रुपई, गोपालबाग
25.	बारादरी वजीरगंज	ग्राम–वजीरगंज

जिला–महाराजगंज

26.	बनरसिया कला और बनरसिया खुर्द	ग्राम–बनरसिया, तहसील–फरेंदा

जिला–गोरखपुर

27.	विष्णु की विशाल प्रतिमा	गोरखपुर नगर
28.	चड़िहार	बाँसगाँव
29.	नरहन	बाँसगाँव

जिला–जौनपुर

30.	शेर जमन खाँ का मकबरा	जौनपुर नगर
31.	पत्थर का शेर	जौनपुर नगर

32.	सई नदी का पुल	जौनपुर–वाराणसी मार्ग पर सई नदी पर निर्मित, तहसील–केराकत, जौनपुर नगर
33.	शाही पुल	जौनपुर नगर
34.	प्राचीन शिवालय	प्रेम का पूरा, मछली भाहर, जौनपुर

जिला–झाँसी

35.	रानी लक्ष्मीबाई मन्दिर	झाँसी नगर
36.	बरुआ सागर फोर्ट	बरुआ सागर
37.	फूटा दरवाजे के सामने की जमीन	झाँसी नगर
38.	रानी महल के सामने की जमीन	झाँसी नगर
39.	हाथीखाना व रघुनाथ राव का महल	झांसी नगर

जिला–पीलीभीत

40.	गौरी शंकर मन्दिर	मो. खकरा, थाना– कोतवाली

जिला–प्रतापगढ़

41.	सराय नाहर राय (प्राचीन स्थल)	ग्राम–सराय नाहर राय, तहसील–पट्टी
42.	महदहा (प्राचीन स्थल)	ग्राम–महदहा, तहसील–पट्टी

जिला–फैजाबाद

43.	हवेली–अवध	फैजाबाद नगर
44.	गुप्तारघाट राज मन्दिर	फैजाबाद नगर

जिला–संत कबीर नगर

45.	संत कबीरदास की समाधि एवं मजार	ग्राम–मगहर, तहसील–खलीलाबाद
46.	कोपिया अथवा अनुपिया का प्राचीन स्थल	ग्राम–कोपिया, तहसील–खलीलाबाद

जिला–बिजनौर

47.	कण्वाश्रम	ग्राम–मण्डावर

जिला–मथुरा

48.	गोपीनाथ मन्दिर	वृन्दावन, तहसील–मथुरा
49.	सोंख का प्राचीन टीला	ग्राम–सोंख, मथुरा
50.	गोविन्द नगर का टीला	गोविन्द नगर कालोनी सेक्टर–डी, मथुरा
51.	कंस किला	मथुरा नगर, थाना कोतवाली
52.	पोतरा कुण्ड	नरखबिन्द, थाना–कोतवाली
53.	कुसुम वन सरोवर एवं छतरियाँ	ग्राम–राधाकुण्ड, थाना–गोवर्धन/तहसील–सदर
54.	बरसाना की छतरियाँ	ग्राम–बरसाना, तहसील–सदर
55.	गोवर्धन की छतरियाँ	गोवर्धन, थाना गोवर्धन, तहसील सदर
56.	रसखान की समाधि	महावन, तहसील सादाबाद

जिला–मिर्जापुर

57.	चुनार किला	चुनार–कस्बा, तहसील–चुनार
58.	भुइली प्राचीन स्थल	ग्राम–भुइली, तहसील–चुनार
59.	सारनाथ मन्दिर	ग्राम–लरवक, ब्लाक मझवाँ
60.	सिद्धनाथ की दरी	चुनार
61.	लेखनिया पहाड़	राजापुर, चुनार

62.	चित्रित शैलाश्रय	निकरिका, चुनार
63.	मेगालिथिक अवशेष	ग्राम–राजापुर, तहसील–चुनार
64.	लेखनिया पहाड़ के चित्रित शैलाश्रय	ग्राम–निकरिका, चुनार
65.	कोटवार पहाड़ के मेगालिथिक अवशेष	निकरिका, चुनार
66.	भल्दरिया चित्रित शैलाश्रय	ग्राम–छाती, तहसील–चुनार
67.	लेखनिया चित्रित शैलाश्रय	ग्राम–छिनौता, तहसील–चुनार

जिला–सोनभद्र

68.	रॉक शैल्टर्स (चित्रित शैलाश्रय)	राबर्ट्सगंज कस्बा
69.	पंचमुखी पहाड़ियों पर चित्रित शैलाश्रय	सदर, तहसील–राबर्ट्सगंज
70.	मुखादरी एवं चित्रित शैलाश्रय	ग्राम–मुक्खा, तहसील–राबर्ट्सगंज
71.	शिव मंदिर	ग्राम–मड़रा, तहसील–राबर्ट्सगंज

जिला–मुजफ्फरनगर

72.	बाबा गरीबनाथ का मकबरा	कस्बा–भुखेहरी, मु. चौक
73.	प्राचीन गुम्बद, बन्तीखेड़ा	ग्राम–बन्तीखेड़ा, तहसील–किराजा

जिला–मेरठ

74.	बालेश्वरनाथ मन्दिर	मु. सदर बाजार, थाना–सदर बाजार
75.	बेगम समरू महल	स्थान–सरधना, थाना–सरधना

जिला–लखनऊ

76.	आलमबाग भवन एवं गेट	आलमबाग
77.	लाल बारादरी	कैसरबाग

78.	बड़ी छतर मंजिल	कैसरबाग (गोमती तट)
79.	फरहत बख्श कोठी	कैसरबाग (गोमती तट)
80.	रोशन–उद्–दौला कोठी	कैसरबाग बस स्टैण्ड के समीप
81.	हुलासखेड़ा किला	मोहनलालगंज, तहसील–मोहनलालगंज
82.	दहियर का टीला	दहियर, तहसील–मोहनलालगंज
83.	दादूपुर का टीला	तहसील–सरोजनी नगर
84.	नटवाडीह	लखनऊ, औरंगाबाद जागीर
85.	चतुर्भुज बाबा देव स्थान	ग्राम–बीरपुर, तहसील–मलिहाबाद
86.	मण्ढक महारानी देव स्थान	ग्राम–बीरपुर, तहसील–मलिहाबाद
87.	देवरा ठाकुर मन्दिर स्थान	ग्राम–बीरपुर, तहसील–मलिहाबाद
88.	जानकी चरण बाबा (घोपी महारानी देव स्थान)	ग्राम–बीरपुर, तहसील–मलिहाबाद
89.	कोठी दर्शन विलास तथा कोठी गुलिस्ताने इरम	कैसरबाग, लखनऊ

जिला–वाराणसी

90.	बत्तिस खम्भा	बकरिया कुण्ड, वाराणसी नगर
91.	बत्तिस खम्भा	वाराणसी सिटी स्टेशन का मालगोदाम, अलईपुर
92.	लहरतारा तालाब	ग्राम–लहरतारा
93.	कर्दमेश्वर महादेव मन्दिर	ग्राम–कन्दवा
94.	गुरूधाम मन्दिर	भदेनी (हनुमानपुर)

जिला–चन्दौली

95.	पुराना मन्दिर	हिंगुत्तरगढ़, तहसील–चन्दौली

जिला–सीतापुर

96.	मनवाडीह टीला	ग्राम–मनवा, पो. मनवा, तहसील सिधौली, थाना–अटरिया
97.	हुसेनियाडीह	ग्राम–जगीवनपुर, ब्लाक–मालापुर, सिधौली
98.	कोट टीला	ग्राम–बम्हेरा, ब्लाक–कालापुर, सिधौली
99.	मसान देवी का मन्दिर और टीला	ग्राम–रामगढ़, ब्लाक–मन्दना
100.	गढ़ी	ग्राम–भदेवर, ब्लाक–मछरेहटा, तहसील–मिश्रिख
101.	कालपदेवी और आस्तिक बाबा का मन्दिर तथा टीला	ग्राम–नसीराबाद, करपन, तहसील–सिधौली

जिला–सुल्तानपुर

102.	इटिहवा	ग्राम–महमूदपुर, तहसील–सुल्तानपुर
103.	ठाकुरबाबा मन्दिर	ग्राम–शनिचरा, तहसील–सदर
104.	महाबीरन	ग्राम–पलिया, चन्दापुर, तहसील–मुसफिरखाना
105.	टीला और मन्दिर	ग्राम–हाजी पट्टी, तहसील–सदर

जिला–सहारनपुर

106.	टीला, सहसपाल का किला	ग्राम–सरसावाँ, कोतवाली–सहारनपुर

जिला–महोबा

107.	शान्तिनाथ मन्दिर	ग्राम–भरवारा
108.	योगिनी माता मन्दिर	ग्राम–बम्हौरी–बेलदारन, तहसील–चरखारी
109.	सूपा–गढ़ी	ग्राम–सूपा, तहसील–चरखारी
110.	ड्यूढ़ी दरवाजा	तहसील–चरखारी
111.	प्राचीन मन्दिर	ग्राम–इमिलिया बाग, तहसील–चरखारी

जिला–हरदोई

112.	शाहाबाद का टीला	ग्राम–शाहाबाद, तहसील–शाहाबाद
113.	गेगलापुर का प्राचीन टीला	ग्राम–गेगलापुर, थाना–बेनीगंज,
114.	नरपत सिंह की गढ़ी	ग्राम–रुइया, तहसील–बिलग्राम

जिला–खीरी लखीमपुर

115.	मेढ़क शिव मन्दिर	तहसील–ओयल

जिला– ललितपुर

116.	नवग्रह–मन्दिर	ग्राम–बार, तहसील–तालबेहट
117.	दिगम्बर जैन मन्दिर	ग्राम–भदौरा, तहसील–महरौनी
118.	शिव मन्दिर	ग्राम–उल्दना कला, तहसील–महरौनी
119.	रामजानकी मन्दिर	ग्राम–जखौरा, तहसील–महरौनी
120.	जैन मन्दिर	ग्राम–सोजना, तहसील–महरौनी
121.	मन्दिर (अधिष्ठान) आदि के अवशेष	ग्राम–सीरोन खुर्द

122.	लक्ष्मणगढ़ मन्दिर	ग्राम–पिपरई
123.	प्राचीन सुमेरगढ़ मन्दिर	ग्राम–मादोन
124.	प्राचीन मन्दिर	ग्राम–भोंता
125.	रणछोर मन्दिर	ग्राम–धोजरी
126.	बालाबेहट का किला	ग्राम–बालाबेहट
127.	हटवारा मन्दिर	ग्राम–बालाबेहट
128.	मन्दिर तथा कुन्ड	ग्राम–लागोन
129.	बावली	ग्राम–रातगता
130.	राम मन्दिर	ग्राम–गिरार, तहसील–महरौनी
131.	प्राचीन मन्दिर (मड)	ग्राम–ककरूआ, तहसील–महरौनी
132.	प्राचीन मन्दिर (मड)	ग्राम–सीरोन, तहसील–महरौनी
133.	सोरई का किला	ग्राम–सोरई, तहसील–महरौनी
134.	दो गोण्डवानी मन्दिर	ग्राम–सोरई, तहसील–महरौनी
135.	शिव मन्दिर	ग्राम–गुगरवारा, तहसील–महरौनी
136.	प्राचीन मन्दिर	ग्राम–टोडी, तहसील–तालबेहट
137.	प्राचीन मकबरा	ग्राम–बार, तहसील–तालबेहट
138.	दो गोण्डवानी मन्दिर	ग्राम–पिपरई, तहसील–तालबेहट
139.	प्राचीन बैठक	ग्राम–बिजरौठा, तहसील–तालबेहट
140.	दुर्गा जी का प्राचीन मन्दिर	ग्राम–धनगोल, तहसील–तालबेहट
141.	राघवेन्द्र सरकार मन्दिर (प्राचीन शिव मन्दिर)	ग्राम–बरी खुर्द, तहसील–तालबेहट

	जिला–फिरोज़ाबाद	
142.	फिरोज़ शाह का मकबरा	फिरोज़ाबाद
	जिला–रायबरेली	
143.	ओइडीह	रायबरेली

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व विभाग के कार्यालयों का विवरण

मुख्यालय	वर्तमान विभागाध्यक्ष	फोन
पुरातत्त्व निदेशालय छतर मंजिल परिसर, एम0जी0 रोड, कैसरबाग, लखनऊ – 226 001	प्रहलाद कुमार सिंह मो0 : 9415012600	0522–2623045 (कार्यालय) 0522–2623045 0522–2623045 (फैक्स)

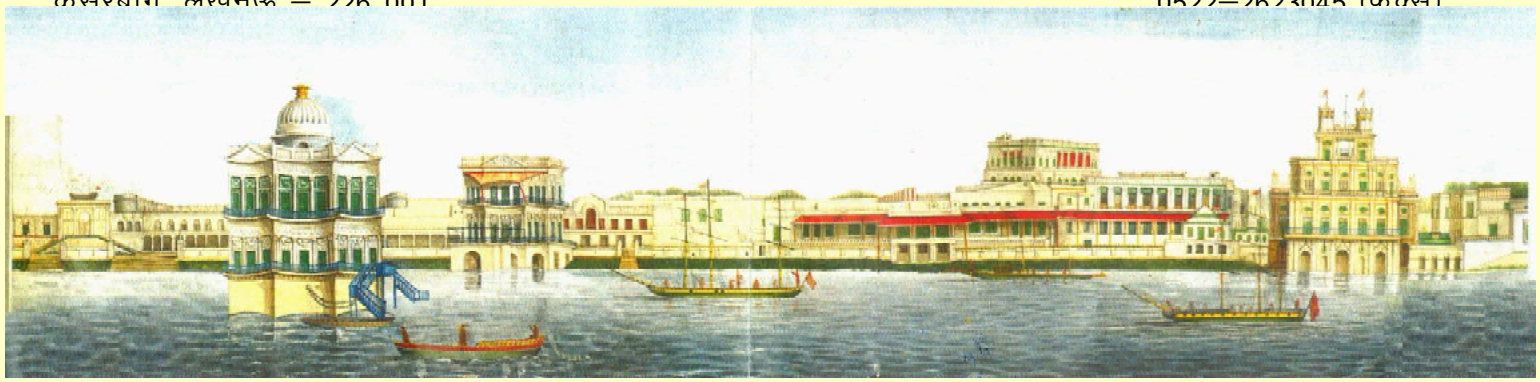

राज्य संरक्षित स्मारक छतर मंजिल व फरहत बख्श कोठी का दृश्य (नदी की तरफ से)

क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाईयाँ

क्र.सं.	कार्यालय का पता	सृजन सम्बन्धी शासनादेश	स्थापना वर्ष	क्षेत्रीय पुरातत्त्व अधिकारी/फोन (वर्तमान)
1.	क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, राजकीय संग्रहालय परिसर, किला रोड, झांसी – 284001	4730/चार–87–6 (51)–86 दिनांक 9–2–1988	1987–88	रिक्त (सहायक पुरातत्त्व अधिकारी डा. एस. के दुबे द्वारा पर्यवेक्षित) मो0 : 9415943180
2.	क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, 34, नार्थ, अर्जुन नगर, आगरा – 282001	7913/चार–6 (68)–89 दिनांक 1–2–1991	1990–91	रिक्त (सहायक पुरातत्त्व अधिकारी श्री ज्ञानेन्द्र कुमार रस्तोगी द्वारा पर्यवेक्षित) मो0 : 9307464266
3.	क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, संग्रहालय भवन, न्यू शिवपुरी कालोनी, गोरखपुर – 273017	2730/चार–92–6–(83)/90 दिनांक 10–9–1992	1992–93	रिक्त (सहायक पुरातत्त्व अधिकारी श्री नर सिंह त्यागी द्वारा पर्यवेक्षित) मो0 : 9450501946
4.	क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, गुरूधाम मंदिर, सुखधाम कालोनी, दुर्गाकुण्ड, वाराणसी – 221001	376/चार–93–6 (51)/91 दिनांक 2–2–1993	1992–93	डॉ. सुभाष चन्द्र यादव फोन : 0542–2411865 मो0 : 9450802190
5.	क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई, ब्लाक नं0 1, फ्लैट नं0 9,10,11 व 12,	980/चार–6(75)/93 दिनांक 31–3–1995	1994–95	डॉ. राम नरेश पाल मो0 : 9415783762

बाघम्बरी आवास योजना, अल्लापुर,
इलाहाबाद – 282001

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व विभाग के कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष

1.	डॉ. कृष्ण दत्त बाजपेई	पुरातत्त्व अधिकारी	10.05.51 – 31.03.53
2.	डॉ. एम.एम. नागर, क्यूरेटर/निदेशक, राज्य संग्रहालय, लखनऊ	अतिरिक्त प्रभार	31.03.53 – 14.03.59
3.	श्री सी.पी. मालवीय, पुरातत्त्व अभियन्ता	प्रभारी	14.03.59 – 09.01.62
4.	श्री राम चन्द्र सिंह, पुरातत्त्व सहायक	प्रभारी	20.01.62 – 15.10.65

राज्य संरक्षित स्मारक कुसुमवन सरोवर, मथुरा

5.	श्री राम चन्द्र सिंह,	पुरातत्त्व अधिकारी	16.10.65 – 10.09.68
6.	डॉ. के. सी. ओझा	पुरातत्त्व अधिकारी	10.09.68 – 31.08.74
7.	डॉ. के. सी. ओझा	निदेशक	31.08.74 – 08.10.75
8.	श्री राम चन्द्र सिंह, उत्खनन एवं सर्वेक्षण अधिकारी	प्रभारी	08.10.75 – 22.08.77
9.	श्री राम चन्द्र सिंह	निदेशक	22.08.77 – 17.02.84
10.	श्री वी. पी. माथुर, संयुक्त निदेशक, सांस्कृतिक कार्य विभाग	अतिरिक्त प्रभार	17.02.84 – 28.03.84
11.	श्री रामचन्द्र सिंह	निदेशक	29.03.84 – 18.03.85
12.	श्री वी.पी. माथुर	अतिरिक्त प्रभार	19.03.85 – 21.08.85
13.	डॉ. आर. सी. शर्मा निदेशक, राज्य संग्रहालय, लखनऊ	अतिरिक्त प्रभार	22.08.85 – 12.01.86
14.	श्री वी. पी. माथुर	अतिरिक्त प्रभार	13.01.86 – 07.04.87
15.	डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, उप निदेशक, सांस्कृतिक कार्य विभाग	अतिरिक्त प्रभार	08.04.87 – 25.05.87
16.	श्री वी. पी. माथुर	अतिरिक्त प्रभार	26.05.87 – 04.05.88
17.	श्री एच. के. नारायण, अधीक्षण पुरातत्त्वविद्, भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण से प्रतिनियुक्त	निदेशक	05.05.88 – 25.08.89
18.	डॉ. राकेश तिवारी	निदेशक निदेशक (विभागाध्यक्ष)	25.08.89 – 26.08.96 27.08.96 – 31.10.13
19.	श्री प्रहलाद कुमार सिंह (उपनिदेशक)	प्रभार	04.12.2013 – 08.07.2014